रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

कोरोना वायरस मुक्त समाज, देश और विश्व ही हमारा लक्ष्यः कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र

रादुविवि द्वारा 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों व जनों को सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर किया जा रहा जागरूक

जबलपुर 01 अप्रैल 2020। आज पूरा विश्व कोरोना वायरस के विरूद्ध जंग लड़ रहा है। ऐसे में हम सभी की यह महती जिम्मेदारी है कि कोरोना वायरस, कोविड–19 के विश्वव्यापी प्रकोप के बीच हमारे आसपास के लोगों को सुरक्षित रखें और इस महामारी से बचाव के प्रति जागरूक करें। महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री लालजी टंडन के द्वारा निरंतर कोविड–19 से बचाव के लिए जागरूकता संदेश भी दिया जा रहा है। ऐसे में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं इसके परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को कोरोना वायरस मुक्त समाज, देश और विश्व के लक्ष्य को ध्यान में रखकर संकल्पित होने की आवश्यकता है।

उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी अपील के दौरान व्यक्त किए। माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से लगभग 2 लाख विद्यार्थियों, शिक्षकों व अन्य को निरंतर जागरूकता संदेश सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाए जा रहे हैं कि कोविड–19 के प्रभाव से बचाव के लिए सभी शिक्षक, विद्यार्थियों को घर में ही रहने की निरंतर हिदायत दें और निरंतर दूरभाष से सम्पर्क में रहें। हमारी यह भी प्राथमिकता है विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा एवं परिणाम जारी अकादमिक कलैण्डर के अनुसार ही हों।

वाट्सएप के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन–

कोविड–19 से बचाव और छात्रों को घर बैठे निरंतर शैक्षणिक गतिविधियों से जोडने के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक शिक्षक को इस बात के लिए निर्देशित किया गया है कि वे विद्यार्थियों से वाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखें और ऑनलाईन शिक्षण की व्यवस्था करें। सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए उनके पाठ्यक्रम से जुड़े वीडियो, पीपीटी और पीडीएफ इत्यादि वाट्सएप ग्रुप के द्वारा जानकारी प्रदान की जा रही है। जहां तक संभव है विद्यार्थियों के साथ लाइव इंटरेक्शन भी किया जा रहा है, जिससे कुछ भी डाउट हैं तो उनका निराकरण भी सोशल मीडिया और दूरभाष के माध्यम से किया जाने की कवायद की जा रही है।